त्रैमासिक परीक्षा

कक्षा - बारहवीं

विषय- हिन्दी

समय- 3 घंटे | पूर्णांक - 50

नोट- सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

प्रश्न 1. बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे ? 3

अथवा थका पंथी क्या सोचकर जल्दी चलने लगता है ?

प्रश्न 2. हम समर्थ शक्तिवान और हम एक दुर्बल को लाएँगे । इस पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाह रहा है ? 3

अथवा बाजार का जादू क्या है ? उसके चढ़ने उतरने का मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

प्रश्न 3. लोगों ने लड़कों की टोली को मेंढ़क-मंडली नाम किस आधार पर दिया ? यह टोली अपने आप को इंदरसेना कहकर क्यों बुलाती थी ? 3

अथवा ढोलक की आवाज का पूरे गाँव पर क्या असर होता था ?

प्रश्न 4. यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है, लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं, ऐसा क्यों ? 3

प्रश्न 5. जूझ शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करें कि क्या यह शीर्षक कथा नायक की किसी केन्द्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है ? 3

प्रश्न 6. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए - https://www.cgboardonline.com 5

पहले से कुछ लिखा भाग्य में मनुज नहीं लाया है,
अपना सुख उसने अपने, भुजबल से ही पाया है ।
प्रकृति नहीं डर कर झुकती है, कभी भाग्य के बल से,
सदा हारती वह मनुष्य के उद्यम से, श्रमबल से ।
ब्रह्मा का अभिलेख-पढ़ा करते निरुद्यमी प्राणी,
धोते बीर कु-अंक भाल का बहा भ्रुवों से पानी ।
भाग्यवाद आवरण पाप का और शस्त्र शोषण का,
जिससे रखता दबा एक जन भाग दुसरे जन का ।
पूछो किसी भाग्यवादी से, यदि विधि अंक प्रबल है,
पद पर क्यों देती न स्वयं वसुधा निज रत्न उगल देती ।

प्रश्न 1) कविता में किस प्रकार के मनुष्यों की चर्चा की गई है ?
2) प्रकृति किस के आगे नहीं झुकती है, वह कैसे हारती है ?
3) भाग्यवादी कौन होते हैं, उनकी क्या पहचान है ?
4) बीर पुरुष क्या करते हैं ?
5) भाग्यवादी क्या प्रमाणित नही कर पाएँगे ?

प्रश्न 7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए । 5

संस्कार ही शिक्षा है । शिक्षा इंसान को इंसान बनाती है । आज के भौतिकवादी युग में शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य सुख पाना रह गया है । अंग्रेजों ने इस देश में अपना शासन व्यवस्थित रुप से चलाने के लिए ऐसी शिक्षा को उपयुक्त समझा, किन्तु यह विचारधारा हमारी मान्यता के विपरीत है आज की शिक्षा प्रणाली एकांगी है, उसमें व्यवहारिकता का अभाव है, श्रम के प्रति निष्ठा नहीं । प्राचीन शिक्षा प्रणाली में अध्यात्मिक एवं व्यवहारिक, जीवन प्रधानता थी । यह शिक्षा केवल नौकरी के लिए नहीं, जीवन को सही दिशा प्रदान करने के लिए थी। अतः आज के परिवेश में यह आवश्यक हो गया है कि इन दोषों को दूर किया जाय अन्यथा यह दोष सुरसा के समान हमारे सामाजिक जीवन को निगल जायेगा ।

प्रश्न 1) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक दीजिये ।

2) भौतिक युग में शिक्षा का उद्देश्य क्या है ?

3) वर्तमान शिक्षा प्रणाली कैसी है ?

4) प्राचीन शिक्षा प्रणाली की विशेषता लिखिए ।

5) शिक्षा का महत्व लिखिए ।

प्रश्न 8. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए । 5

मैं जग-जीवन का भार लिए फिरता हूँ,
फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ,
कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर,
मैं सांसो के दो तार लिए फिरता हूँ ।
मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ,
मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ,
जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते,
मैं अपने मन का गान किया करता हूँ ।

प्रश्न 1) जगजीवन के भार से कवि का क्या तात्पर्य है ?

2) कर दिया किसी ने झंकृत में किसी कौन है ?

3) कवि स्नेह-सूरा का पान क्यों करता है ?

4) जग किन्हें पूछता है ?

https://www.cgboardonline.com

5) कवि जग का ध्यान क्यों नहीं करता है ?

प्रश्न 9. निम्न गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 5

जो लोग उनके नग्न स्वरूप शरीर, उनकी उछल-कूद, उनके शोर-शराबे और उनके कारण गली में होने वाले कीचड़-काँदो से चिढ़ते थे, वे उन्हे कहते थे मेंढ़क-मंडली । उनकी अगवानी गालियों से होती थी । वे होते थे दस-बारह बरस से सोलह-अठारह बरस के लड़के, साँवला नंगा बदन, सिर्फ एक

जाँघिया या कभी-कभी सिर्फ लंगोटी । एक जगह इकट्ठे होते थे । पहला जयकारा लगता था, "बोल गंगा मैया की जय" । जयकारा सुनते ही लोग सावधान हो जो थे स्त्रियों और लड़कियों छज्जे, बारजे से झाँकने लगती थी और यह विचित्र नंग-धड़ंग टोली उछली कूदती समवेत पुकार लगाती थी ।

प्रश्न 1) मेंढ़क मंडली किन लोगों की थी ?
2) मेंढ़क मंडली का क्या काम था ?
3) मेंढ़क मंडली की जयकारा सुनते ही लोगों पर क्या प्रतिक्रिया होती थी ?
4) लोग उन्हें मेंढ़क मंडली क्यों कहते थे ?
5) मेंढ़क मंडली की वेशभूषा कैसी थी ?

प्रश्न 10. आप अमित देवांगन हैं, आपके मित्र ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है । उसे बधाई देते हुए एक पत्र लिखिए ।

अथवा

प्लास्टिक थैलियों के प्रयोग पर कानूनी पाबदी लगाए जाने के बावजूद उनके बढ़ते प्रयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखिए और एक सुझाव भी दीजिए । https://www.cgboardonline.com

प्रश्न 11. किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए – 10

1) कमर तोड़ महँगाई
2) प्रदूषण की समस्या
3) विद्यार्थी और अनुशासन
4) मोबाइल फोन बिन सब सून